

① महाकवि सबसे गुमनाम मुद्दियां पल सैठा मुद्दिया
की रचना १६-४६९ = वाकें भोजा रेडमा से जमीन
का उचा हमीयत है लसीजगदी सोमरी तैयार प्रथा है
जिखर शर्क है लसत कायात वे का कि दो लल ता है प्रथम

रामलाल

रानी रामलाल मुद्दिया वा अमरीयता
रानी तेररी कुवा वा अमरीयता
रानी वंशी प्रदीपा वा अमरीयता
रानी पावनी कुवा वा अमरीयता
रानी १२-११२

② महाकवि शर्क रीयत प्रजुट आपने पर लडसे नामें ७ मुद्दिया
मुद्दिया- २) सारुण-मुद्दिया ३) गरीबा मुद्दिया, ४) महावीर
मुद्दिया से आपना भाषा करी ल जो हकर शर्क कर अर्क
वाक प्रत गते, वी रवात मजुट से जमीन परसे वीसे से
सबका दलल से आगया।

③ महाकवि छंद किरी से वाद- चारसे मरी से बरपरा हने गया तो
उरीयत मुद्दिया- आपना वे महावीर मुद्दिया आपना होकर
आरुण रवीरी वरी कर ली, वे सारुण मुद्दिया वी गरीबा
मुद्दिया से कसाम रहकर रवीरी वरी कर ली, वी छंद समय
से वाद गरीबा मुद्दिया से आपने भाई. सारुण मुद्दिया से
खाम बहालत रीजाली रहकर- लावलद प्रत गया।
वी गरीबा मुद्दिया से हीसे वी जमीन से आपने सारुण मुद्दिया
से वजा दलल से आगया।

श्री १-१

श्री २-१ श्री ३-१

श्री ४-१

④ महाकवि छंद ल से वंशानत से मीता निकः विकृत यी
की हमीयत वी हिस्से वरी लरीय है।

⑤ महाकवि विकृता = विकृत यी पर सोईयत वर देन से
वर मीकालत ली किया है. वी व उरसे कि लप
मीईयत माकता जवावी रिया महररी ली उरसे से
लाय ली थीय है। विकृत यी हमीयत पर वी लाक है।
उरसे मुरी अवाव देही वी माकलत पर वंशी छंद
विकृत यी लरीय रहक। वी उर विकृत यी से
परसे वसत से ली लीय रीजाल से वर लीय पर वर है।

वसत लीय मी रेडमा दाल से श्री ४-१
१ गीज कचरी श्री ४-१ लरीय
ही है अलर राशि ली
- ६३